550 साल पहले सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकजी का जन्म ननकाना साहिब में हुआ था। यह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित है, जो सिखों का बेहद पवित्र स्थल माना जाता है।

लोकमान्य की भूमिका को आगे बढ़ा रहा जागरण : दीपक तिलक

दैनिक जागरण के प्रधान संपादक संजय गुप्त लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित

राज्य ब्यूरो, मुंबई : देश के स्वतंत्रता आंदोलन में धर्म व राष्ट्रीयता के विचारों की पैरवी लोकमान्य तिलक ने की थी। आज उनकी इसी भूमिका को दैनिक जागरण अपनी ध्येयवादी पत्रकारिता से आगे बढ़ा रहा है। यह बात पुणे में दैनिक केसरी के न्यासी संपादक दीपक तिलक ने कही।

मराठी दैनिक पत्र 'केसरी' के 139वें स्थापना दिवस पर शनिवार को दैनिक जागरण के प्रधान संपादक संजय गुप्त को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दीपक तिलक ने इस अवसर पर लोकमान्य और जागरण की पत्रकारिता की एकरूपता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बार पुरस्कार पर विचार शुरू हुआ तो संजय गुप्त के अलावा दूसरा नाम सामने नहीं आया। सम्मान में तिलक की प्रतिमा, शॉल, श्रीफल, मानपत्र और एक लाख रुपये नकद दिए जाते हैं। समारोह का आयोजन लोकमान्य तिलक के निवास और केसरी के कार्यालय रहे तिलकवाड़ा में किया गया।

सम्मान ग्रहण करने के बाद संजय गुप्त ने कहा, 'यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि आशीर्वचन और बड़ी जिम्मेदारी भी है। यह पुरस्कार तिलक जी की कसौटी पर खरे उतरने का मार्गदर्शन भी है। हमें अपने आप से यह सवाल जरूर पूछते रहना होगा कि हम इस कसौटी पर खरे उतर रहे हैं या नहीं। मैं यहां स्वतंत्रता आंदोलन के नायक रहे लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जी की कर्मभूमि पर आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। गणेश चतुर्थी और शिवाजी जयंती जैसे उत्सवों से ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनांदोलन खड़ा करने की बात हो या स्वदेशी के उपयोग और ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार की, मैं राष्ट्रीयता की इसी भावभूमि पर दैनिक जागरण को भी खड़ा पाता हूं।' संजय गुप्त ने आपातकाल के दौरान जागरण की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पत्र ने पत्रकारिता धर्म से कभी समझौता नहीं किया, चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल रही हों। उन्होंने कहा कि दैनिक जागरण समूह आस्थावान, राष्ट्रभक्त और भारतीय मूल्यों का संवाहक है, जिसके संस्कारों में सनातन भारतीयता है।

दैनिक जागरण के प्रधान संपादक संजय गुप्त को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें दैनिक केसरी के न्यासी संपादक दीपक तिलक (दाएं) और महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बालासाहब थोरात ने सम्मानित किया ● प्रेट्र

झारखंड सरकार को लागू करना ही होगा सीएए : भाजपा

राज्य ब्यूरो, रांची

- सीएए पर भ्रम को दूर करने के लिए भाजपा चलाएगी अभियान

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर देश भर में छिड़ी बहस के बीच भाजपा ने कहा कि राज्य सरकार को झारखंड में सीएए को लागू करना ही होगा। शनिवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि यह संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ है। अब यह भारत के कानून का हिस्सा बन चुका है। राज्य सरकारें इससे पीछे नहीं हट सकतीं। झारखंड या देश के अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री गैर संवैधानिक काम नहीं कर सकते।

दीपक प्रकाश ने कहा कि सीएए का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा करनेवाले संविधान का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नागरिकता संशोधन अधिनियम की सच्चाई को बताने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान प्रारम्भ किया है। विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम को दूर करने के लिए पार्टी ने जन-जन तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जाने का निर्णय लिया है।

आलमगीर आलम बने झारखंड के संसदीय कार्य मंत्री

राज्य ब्यूरो, रांची : झारखंड के कैबिनेट मंत्री आलमगीर आलम को शनिवार को संसदीय कार्य विभाग के मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई। झारखंड विधानसभा के छह जनवरी से शुरू होनेवाले विशेष सत्र शुरू होने से पहले संसदीय कार्य विभाग की जिम्मेदारी किसी को देना आवश्यक था। इस कारण इसकी अधिसूचना शनिवार को जारी कर दी गई है। झारखंड में मुख्यमंत्री के अलावा तीन मंत्रियों ने पद की शपथ ली है, लेकिन विभागों का बंटवारा अभी नहीं हुआ है। ऐसे में सभी विभाग मुख्यमंत्री के पास ही हैं। माना जा रहा है कि 14 जनवरी के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार और विभागों का बंटवारा होगा।

न्यूज गैलरी

भारतीय पुलिस पर इमरान के ट्वीट की कड़ी आलोचना

नई दिल्ली : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बांग्लादेश में पुलिस कार्रवाई का एक वीडियो भारतीय बताकर पोस्ट कर दिया था जिसके बाद वह जमकर ट्रोल हुए थे। इमरान खान ने शनिवार को एक तस्वीर भी पोस्ट की जिसमें नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ हिंसा के दौरान एक वाहन जल रहा है और भारतीय सुरक्षा बल वहां तैनात हैं। इमरान ने लिखा, 'भारतीय पुलिस की बर्बरता निचले स्तर पर पहुंच गई है क्योंकि फासीवादी मोदी सरकार के नस्ली सफाये के एजेंडे के तहत भारत में मुस्लिमों का नरसंहार जारी है।' इस पर भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट किया, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लगातार भारत में मुस्लिमों पर अत्याचार की अफवाहें फैला रहे हैं जबकि शुक्रवार को ही दुनिया ने उनके देश में अल्पसंख्यकों की स्थिति देखी है। मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इन बदतर होते हालात पर संज्ञान लेने का अनुरोध करता हूं।' (आइएएनएस)

राहुल गांधी सीएए पर 10 लाइन बोलकर तो दिखाएं : नड्डा

नई दिल्ली : ८नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच भाजपा ने भी विपक्षी दलों के खिलाफ आक्रामक रवैया अख्तियार कर लिया है। शनिवार को गुवाहाटी में भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सीएए के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेता को सीएए पर 10 लाइन बोलने की चुनौती तक दे डाली। भाजपा के बूथ अध्यक्षों की रैली में नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी सीएए के बारे में 10 लाइन और वह इस कानून का क्यों विरोध कर रहे हैं, इसके बारे में दो लाइन तो बोलकर दिखाएं। नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी को कुछ भी पता नहीं है। वह सिर्फ वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। (एजेंसियां)

एनआइए ने 532 किलो हेरोइन मामले में एक और गिरफ्तार

मोहाली : एनआइए ने अटारी बॉर्डर से बीते साल पकड़ी गई 532 किलो हेरोइन मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार रात अमित गंभीर को एनआइए की टीम ने अमृतसर से गिरफ्तार किया। उस पर ड्रग मनी ट्रांजेक्शन का आरोप है। उसे शनिवार को मोहाली की एनआइए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद अमित का दस जनवरी तक पुलिस रिमांड दिया है। उल्लेखनीय है कि 29 जून 2019 को इंटेग्रेटेड चेक पोस्ट, अटारी पर अमृतसर के नमक व्यापारी गुरपिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा के तारिक अहमद को पाकिस्तान से आई 532 किलो हेरोइन व 52 किलो नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया था। (जासं)

पाक ने नहीं दी नगर कीर्तन निकालने की अनुमति

ननकाना साहिब पर हमला ▶ मुस्लिम नेताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ खालिस्तान समर्थक नेता पहुंचा गुरुद्वारे

पाक की सफाई, गुरुद्वारे को न छुआ गया न नुकसान पहुंचाया गया

इस्लामाबाद, एजेंसियां : पाकिस्तान का दोहरा चरित्र एक बार फिर सामने आ गया, जब उसने गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब पर शुक्रवार को भीड़ के हमले के बाद शनिवार को गुरुद्वारे से सिख समुदाय को नगर कीर्तन निकालने की अनुमति नहीं दी। हालांकि, पाकिस्तान ने शहर में तनाव को इसका कारण बताया है।

उधर, शनिवार को मुस्लिम नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुद्वारा ननकाना साहिब का दौरा भी किया। इस प्रतिनिधिमंडल ने सिख समुदाय के लोगों से बातचीत की और गुरुद्वारे पर भीड़ के हमले की निंदा की। उनके साथ खालिस्तान समर्थक नेता गोपाल चावला भी था। हालांकि, मुस्लिम नेताओं के साथ खालिस्तान समर्थक नेताओं की मौजूदगी पर पाक ने कुछ नहीं कहा। प्रतिनिधिमंडल में उसकी उपस्थिति से इस पूरे प्रकरण में पाकिस्तान के नापाक इरादे काफी हद तक साफ हो जाते हैं।

हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर उन खबरों को खारिज किया जिनमें कहा गया था कि गुरुद्वारा ननकाना साहिब को भीड़ ने हमला करके अपवित्र कर दिया है।

पाकिस्तान में शनिवार को सुनसान पड़े ननकाना साहिब गुरुद्वारा का दृश्य। यहां भीड़ ने हमला कर दिया था। एएनआइ

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की ओर कहा गया कि गुरु नानक देव जी के जन्म स्थान को न किसी ने छुआ है और न ही नुकसान पहुंचाया गया है। मंत्रालय ने कहा, पंजाब प्रांत के अधिकारियों ने सूचित किया है कि शुक्रवार को ननकाना साहिब शहर में मुस्लिमों के दो गुटों में झड़प हुई थी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बताया कि एक चाय की दुकान पर एक मामूली घटना को लेकर बहस हो गई थी और जिला प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप करके आरोपित को गिरफ्तार कर लिया था। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, घटना को सांप्रदायिक मामले का रूप देना पूरी तरह प्रेरित है। पाकिस्तान सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों खासकर अल्पसंख्यकों को सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जांच के लिए पाक जाएगी एसजीपीसी की टीम

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- एसजीपीसी अध्यक्ष का विदेश मंत्री को पत्र, कहा- सिखों को निशाना बनाने वालों पर हो सख्त कार्रवाई
- पाक के भारत स्थित राजदूत को भी पत्र, पाकिस्तानी पंजाब के राज्यपाल ने दिया सुरक्षा का भरोसा

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब पर उग्र कट्टरपंथी भीड़ के हमले के मामले की अपने स्तर पर जांच करेगी। इसके लिए एसजीपीसी की चार सदस्यों वाली टीम अगले हफ्ते पाकिस्तान जाएगी।

इस टीम में एसजीपीसी के अध्यक्ष गोबिंद सिंह लोंगोवाल, एसजीपीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजिंदर सिंह मेहता, मुख्य सचिव डॉ. रूप सिंह और एसजीपीसी सदस्य सुरजीत सिंह भिट्टेवड्ड शामिल हैं। श्री हरिमंदिर साहिब के एडिशनल मैनेजर राजिंदर सिंह रूबी भारत में इसके को-ऑर्डिनेटर होंगे। टीम को पाकिस्तान भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बीच शनिवार को पंजाब में इस घटना के विरोध में जमकर प्रदर्शन हुआ।

लोंगोवाल ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिख कर कहा है कि पाकिस्तान में हुई घटना से सारे विश्व में रहने वाले सिखों में भारी रोष है। इसलिए सिखों को निशाना बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के मुख्य सचिव डॉ. रूप सिंह ने बताया कि पाकिस्तानी पंजाब के राज्यपाल चौधरी मुहम्मद सरवर के साथ उनकी फोन पर बातचीत हुई है। उन्होंने सिखों की हिफाजत और गुरु घरों की मर्यादा बहाल रखने के लिए कहा गया है। राज्यपाल ने भरोसा दिया है कि सरकार सिखों को कोई मुश्किल नहीं आने देगी।

पंजाब में भारी विरोध :

पंजाब में इस घटना का भारी विरोध हो रहा है। शनिवार को शिरोमणि अकाली दल और भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पाक पीएम इमरान खान के पुतले जलाए। पंजाब के सभी जिलों में लोगों ने प्रदर्शन किया। अमृतसर में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्वेत मलिक के नेतृत्व में लोगों ने नारेबाजी की। शिअद-भाजपा के कई विधायक और बड़े नेता भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

हमला करने वाले पागल : बादल

पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने कहा कि धार्मिक स्थानों का तो हर कोई सम्मान करता है। पागल लोग ही धार्मिक स्थानों पर हमला करते हैं। यह बहुत दुखदाई घटना है। केंद्र सरकार तुरंत इस मामले में पाक सरकार से तालमेल करे और अमन-शांति बहाल करे। सिखों की सुरक्षा यकीनी बनाई जाए।

पीएम पर दबाव बनाएं हरसिमरत

आम आदमी पार्टी के विपक्ष के नेता एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने श्री ननकाना साहिब पर हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना चाहिए। पाक में सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए।

अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए दिनभर चला संघ की बैठकों का दौर

नईदुनिया, इंदौर : इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय बैठक से पहले शनिवार को संघ पदाधिकारियों ने दिनभर हुई आंतरिक बैठकों में संघ से जुड़े विषयों और देश के अलग-अलग प्रांतों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह भय्याजी जोशी के साथ दत्तात्रेय होसबोले, मनमोहन वैद्य सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने संघ द्वारा संचालित होने वाली सालाना गतिविधियों के क्रम और समय को लेकर चर्चा की। साथ ही वार्षिक कैलेंडर तैयार कराया।

सूत्रों के मुताबिक, इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का फोकस सोशल इंजीनियरिंग और नागरिकता संशोधन कानून को लेकर जनता के बीच जन जागरण पर रहेगा। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों की समस्या को लेकर रविवार को पदाधिकारियों और विषय विशेषज्ञों के बीच मंथन होगा।

गौरतलब है कि बीते दो दिन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और भय्याजी जोशी शहर के चुनिंदा आयोजनों में शामिल हुए और गणमान्य नागरिकों से मुलाकात भी की, लेकिन शनिवार को वे बैठक स्थल पर ही रहे। रविवार को अलग-अलग प्रांतों से आए पदाधिकारियों सहित 35 से 40 लोग बैठकों में शामिल होंगे। मालूम हो, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संघ की तीन दिवसीय बैठक पांच जनवरी से शुरू होगी।

जिनके साथ अन्याय हुआ, उनके साथ खड़े हैं हम : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार को मेरठ में नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में हुई हिंसा में मारे गए लोगों के स्वजनों से मुलाकात की। इस मौके पर एक बच्चे को दुलारती प्रियंका। मदन मौर्य

जेएनएन मेरठ

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा गुपचुप तरीके से शनिवार सुबह मुजफ्फरनगर पहुंच गईं। मौलाना असद रजा हुसैन से मिलने के बाद वह हिंसा में मारे गए नूर मोहम्मद के घर पहुंचीं और पत्नी को ढांढ़स बंधाया। प्रियंका ने कहा कि पुलिस का काम जनता को सुरक्षा व न्याय दिलाना है लेकिन, मुजफ्फरनगर में इसका उल्टा हुआ है। कहा कि जिसके साथ भी अन्याय हुआ है, हम उनके साथ खड़े हैं। प्रियंका ने बताया कि उन्होंने राज्यपाल को पत्र लिखकर 20 दिसंबर की घटना की पूरी जानकारी दी है।

कांग्रेस नेता व पूर्व राज्यसभा सदस्य हरेंद्र मलिक के आवास पर प्रियंका वाड्रा ने कहा कि उनकी मुलाकात घायल मौलाना असद रजा हुसैनी से हुई है। मौलाना 20 दिसंबर को अपने मदरसे में बैठे थे, तभी पुलिस भीतर घुस आई और उन्हें बेरहमी से पीटा। वह उस युवती से भी मिलीं जिसे पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। वह उपद्रव में मारे गए नूर मोहम्मद की पत्नी से भी मिलीं। प्रियंका मुजफ्फरनगर के बाद मेरठ पहुंचीं। मेरठ में हुई हिंसा के दौरान मारे गए छह में से पांच लोगों के स्वजनों से मुलाकात की। उधर, दादरी चेकपोस्ट पर सीओ जितेंद्र सरगम ने शनिवार को प्रियंका को धारा 144 के उल्लंघन का नोटिस तामील कराया। मेरठ में परतापुर के निकट साईंधाम कालोनी में एनएसयूआइ कार्यकर्ता के घर उपद्रव में मारे गए लोगों के स्वजनों से मुलाकात की। यहां कांग्रेसियों में धक्का मुक्की भी हुई।

हिंसा में हताहतों के स्वजन को भेजा पत्र

सीएए के विरोध में फीरोजाबाद में 20 दिसंबर को हुए उपद्रव और हिंसा में मारे गए लोगों के स्वजनों को कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा ने पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि अपने आपको अकेला न समझें, हौसला न खोएं। हम आपके साथ हैं। वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने हताहत उपद्रवियों के स्वजनों से शुक्रवार को गुपचुप मुलाकात कर उन्हें यह पत्र सौंपा। प्रदेश के अन्य जिलों की तरह सीएए के विरोध में फीरोजाबाद में भी हिंसा हुई थी। आगजनी और तोड़फोड़ में लाखों की संपत्ति के नुकसान के साथ ही छह युवकों की मौत हुई थी।

दिल्ली के दंगों में शामिल थे 25 से ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठिए

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- जामिया नगर, एनएफसी, दरियागंज, सीलमपुर, जाफराबाद व सीमापुरी में प्रदर्शन के दौरान हुई थी हिंसा
- एसआइटी कर रही सभी 10 मामलों की जांच, पीएफआइ के कार्यकर्ताओं से होगी पूछताछ

पिछले साल दिसंबर में दिल्ली में सीएए और एनआरसी के विरोध में हुई हिंसा में 25 से ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठिए शामिल थे। प्रदर्शनकारियों को दंगा करने के लिए उकसाने में इस्लामिक कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का नाम भी सामने आया है। जामिया नगर में दंगे के पहले दिन ही पुलिस को पीएफआइ के बारे में पता लग गया था। दंगों की जांच कर रही क्राइम ब्रांच की एसआइटी का कहना है कि कानून के विरोध में 14 से 20 दिसंबर के बीच जामिया, जाफराबाद, सीलमपुर और दरियागंज में इस्लामिक कट्टरपंथियों ने अवैध रूप से भारत में घुसे बांग्लादेशियों की मदद से माहौल बिगाड़ा था। पुलिस पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी में स्थानीय लोगों की भीड़ में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी शामिल थे। दंगे के मामले में कुल 10 केस दर्ज किए गए हैं।

अभी इस मामले को लेकर राजनीति किए जाने से एसआइटी किसी नए आरोपित को गिरफ्तार नहीं कर रही है। करीब 70 की संख्या में दंगाई पहले गिरफ्तार किए जा चुके हैं। माहौल शांत हो जाने के बाद एसआइटी दंगे में शामिल अन्य आरोपितों व उकसाने में शामिल लोगों को गिरफ्तार करेगी। अभी एसआइटी दंगा ग्रस्त इलाकों से हासिल हुए सीसीटीवी फुटेज और खुफिया सूचना के आधार दंगाइयों की पहचान में जुटी है। एसआइटी ने दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिख एक क्लेम कमिश्नर भी नियुक्त करने का अनुरोध किया है ताकि वे दंगे के दौरान तोड़फोड़ करने वालों पर जिम्मेदारी तय कर हर्जाना वसूला जा सके।

दिल्ली में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए : क्राइम ब्रांच के मुताबिक उत्तर-पूर्वी जिले व दक्षिण-पूर्वी जिले में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी रहते हैं। हमेशा से शक रहा है कि देश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों का पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसी आइएसआइ से गठजोड़ है।

मौसम

उत्तराखंड व हिमाचल के उच्च पहाड़ी इलाकों में फिर शुरू हुई बर्फबारी, अधिकतम और न्यूनतम तापमान में होगी दो से चार डिग्री तक की गिरावट

दिल्ली में धूप ने दी राहत, दो दिन बाद बारिश से फिर बढ़ेगी ठंड

जेएनएन, नई दिल्ली : दिल्ली में शनिवार को दिनभर धूप निकली जिसकी वजह से ठंड से लोगों को राहत मिली। अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा पहुंच गया है।

वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा 8 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार रविवार के दिन बादल छाने के साथ घना कोहरा छा सकता है। इसके अलावा 7 से 8 जनवरी के दौरान दिल्ली और आस पास के इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

तापमान में फिर से होगी गिरावट : मौसम विज्ञानी कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर भारत में छह जनवरी को नया पश्चिमी विक्षोभ पैदा होगा। इससे मौसम में परिवर्तन आएगा। वहीं, क्योंकि उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी शुरू हो गई है। ऐसे में सात से 10 जनवरी के दौरान अधिकतम व न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हो सकती है।

पहाड़ों पर फिर बर्फबारी, शीतलहर शुरू: उत्तराखंड और हिमाचल में शनिवार को मौसम की करवट ने लोगों को चौंका दिया। मौसम विभाग ने दो दिनों के बाद राज्य में बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया था, लेकिन दोनों ही राज्यों के उच्च इलाकों में सुबह से ही बर्फबारी होने लगी। यह सिलसिला पूरे दिन रुक-रुक कर चलता रहा। इसके चलते दोनों राज्यों के मैदानी इलाके भी शीतलहर में चपेट में है।

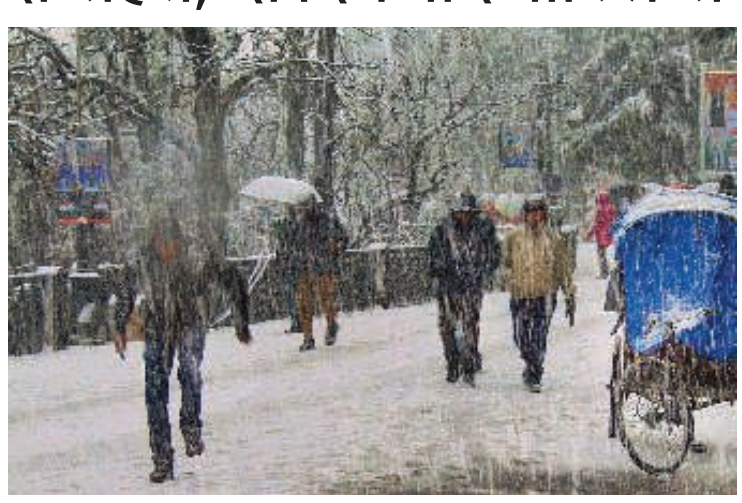

पहाड़ों की रानी मसूरी में शनिवार को दोपहर बाद बर्फबारी शुरू हो गई। इससे पहाड़ी एवं मैदानी इलाके शीतलहर की चपेट में आ गए। मालरोड पर बर्फबारी के बीच पर्यटक। जागरण

बर्फीली हवाओं ने छुड़ाई कंपकंपी

हिमाचल में भी बर्फीली हवाओं ने मैदानी इलाकों में दिनभर कंपकंपी छुड़ाई। मसूरी में नए साल का पहला हिमपात हुआ। वहीं, हिमाचल के शिमला, कुफरी, नारकंडा व मनाली में बर्फबारी हुई। इससे उच्च पहाड़ी इलाके बर्फ से लकदक हो गए हैं।

ठंड में मिली राहत

कश्मीर में पिछले कई दिनों से चल रहे शुष्क मौसम को शनिवार की बारिश और बर्फबारी ने पूरी तरह भिगो दिया। इससे न्यूनतम पारे में भी काफी सुधार हुआ और भीषण ठंड में लोगों को मामूली राहत भी मिली। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को भी बारिश और बर्फबारी के आसार जताए हैं। इससे ठंड भी बढ़ेगी।

पूरी जानकारी के बिना सीएए पर टिप्पणी नहीं करूंगा : कोहली

- खुद को विवादों में नहीं घसीटना चाहते भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान
- नोटबंदी पर दिए बयान को लेकर कोहली को आलोचना झेलनी पड़ी थी

गुवाहाटी, प्रेट्र : भारतीय कप्तान विराट कोहली ने शनिवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर बिना किसी पूर्ण जानकारी के टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। कोहली ने 2016 में नोटबंदी को 'भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण कदम' करार दिया था जिसके लिए उन्हें आलोचना भी झेलनी पड़ी थी और लोगों ने इस विषय पर उनकी जानकारी को लेकर सवाल उठाए थे। सीएए के खिलाफ गुवाहाटी में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे और ऐसे में भारतीय कप्तान से जब इस संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब देने में बेहद सतर्कता बरती।

कोहली ने कहा, 'इस मसले पर मैं गैरजिम्मदार नहीं होना चाहता और ऐसा कुछ नहीं कहना चाहता हूं जिस पर दोनों पक्षों की आम राय न हो। मुझे इसके बारे में संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए कि इसका क्या मतलब है और इसको लेकर क्या चल रहा है और इसी के बाद मुझे इस पर बयान देने के लिए जिम्मेदार होना चाहिए।'

कप्तान ने स्पष्ट किया कि वह जिस विषय के बारे में ज्यादा नहीं जानते उस पर टिप्पणी करके खुद को विवादों में नहीं घसीटना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'क्योंकि आप एक बात कह सकते हैं और उसके बाद कोई दूसरी बात कह सकता है। इसलिए मैं ऐसी किसी चीज में नहीं पड़ना चाहता जिसकी मुझे पूर्ण जानकारी नहीं हो और इस टिप्पणी करना मेरे लिहाज से जिम्मेदारी भरा नहीं होगा।' कोहली हालांकि सुरक्षा व्यवस्था से संतुष्ट हैं। भारत को श्रीलंका के खिलाफ यहां रविवार को सीरीज का पहला टी-20 मैच खेलना है।